University in News on 07 January 2020

AMAR UJALA-MY CITY

दिव्यांगों के सहपाठियों, शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। दिव्यांग बच्चे सामान्य बच्चों के साथ अब बिना हिचक और असहज हुए पढ़ाई कर कर सकेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय का शिक्षा संकाय इसके लिए दिव्यांग बच्चों के सहपाठियों के साथ ही उनके शिक्षकों को तैयार करेगा। यह काम संकाय में स्थापित हो रहे विशेष प्रशिक्षण सेंटर के माध्यम से होगा। इस सेंटर पर दिव्यांग बच्चों के साथ व्यवहार के बारे में बताया जाएगा। शिक्षा संकाय ने इस पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए प्रदेश सरकार भी सहयोग करेगी।

शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि सामान्य बच्चे और शिक्षकों को समेकित शिक्षा के तहत कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। जबकि दिव्यांग बच्चों को विशेष तरीके पढ़ाने और विशेष माहौल की जरूरत भी होती है। समेकित शिक्षा के लिए संचालित संस्थानों में इसके लिए शिक्षकों को विशेष रूप से तैयार किया जाता है। वहां पर सिर्फ दिव्यांग बच्चे ही पढ़ते हैं, इसलिए उनको किसी विशेष प्रशिक्षण की जरूरत नहीं होती है। दूसरी ओर दिव्यांग बच्चे जब सामान्य संस्थान में पढ़ने के लिए आते हैं तो वहां कई समस्याएं आती हैं।

इनके प्रशिक्षित न होने से असहज महसूस करते हैं दिव्यांग

दिव्यांगों को रास नहीं आया था विवि

लविवि में कुछ साल पहले दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था। विवि प्रशासन ने शुरुआत में इनको निशुल्क छात्रावास भी उपलब्ध कराया था। इसके बावजूद ये दिव्यांग विद्यार्थी ज्यादा समय तक नहीं टिके। दिव्यांग विद्यार्थियों की दूसरी खेप भी विवि में इसके बाद नहीं आई। प्रो. अमिता बाजपेयी के अनुसार पुनर्वास विवि की स्थापना के साथ एक बड़ी वजह उनका यहां के माहौल में नहीं ढल पाना भी रहा। इसके बाद ही इस दिशा में हमने सोचना शुरू किया था। यह सेंटर इसी का नतीजा है। उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से जल्द ही यह सेंटर स्थापित हो जाएगा।

DAINIK JAGARAN

चुनौतियों से 20-20 खेलने का इरादा

शताब्दी वर्ष में (2019 में) प्रवेश करते ही लखनऊ विश्वविद्यालय के दामन पर न जाने कितने दाग लगे। जैसे फर्जी चेक, फर्जी मार्कशीट या पेपर लीक ऑडियो वायरल प्रकरण आदि। साल के अंत में प्रबंधशास्त्र संस्थान वीएचयू के प्रोफेसर आलोक कुमार राय को कुलपति की जिम्मेदारी मिली। अब विवि की खोई छवि को वापस लाना उनके लिए बड़ी चुनौती है। प्रो. राय इन चुनौतियों के साथ 20-20 खेलने का दावा कर रहे। गुणवत्ता व शोधपरक शिक्षा के बलबूते लविवि को रोल मॉडल बनाने का संकल्प है। फर्जी चेक, फर्जी मार्कशीट, पेपर लीक प्रकरण में सख्त कार्रवाई करने का भी दावा है। पुलक त्रिपाठी से विशेष बातचीत में तीखे सवालों पर कुलपति ने बेबाकी से जवाब दिए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • जागरण

साक्षात्कार

• आपको ज्वाइन किए एक सप्ताह हो गए हैं, विश्वविद्यालय को आप किस स्थिति में देख रहे हैं?

जवाब : टीचिंग एंड रिसर्च में लविवि शानदार संस्थान है। मैंने आते ही यह पता किया कि इस विवि का एच इंडेक्स कितना है। एच इंडेक्स एक स्कोर होता है, जिससे यह पता लगता है कि वैश्विक स्तर पर स्वीकार होने वाले कितने पब्लिकेशन लविवि के हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि यहां के वेब ऑफ साइंस का एच इंडेक्स 77 है जो कि बहुत अच्छा है। इसके चलते लविवि देश के टॉप संस्थानों में है। मैं इसलिए इसे और बेहतर मानता हूं कि यह विवि अब तक परंपरागत कोर्स के साथ आगे बढ़ा। जबकि मेडिकल और इंजीनियरिंग में हाई इंडेक्स पाना आसान है। उसके बाद भी यह स्कोर होना दर्शाता है कि विवि का रिसर्च वर्क बेहद अच्छा है।

• अक्सर विद्यार्थियों की समस्याओं की अनदेखी की जाती है, आप क्या करेंगे।

जवाब : एक सप्ताह में मैंने सिर्फ बच्चों की समस्याएं सुनीं और निराकरण किया। उनकी समस्या हल करना हमारी जिम्मेदारी है। वे सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दें।

• बीते समय में विवि की प्रतिष्ठा, शिक्षण कार्य आदि पर बहुत चोट हुई है। इस घाव को कैसे भरेंगे।

जवाब : हमें हर चैनल (शिक्षक, कर्मचारियों) का सही और पूरा इस्तेमाल करना होना। तभी ऊर्जा को गलत कार्यों में लगने से बचाया जा सकता है।

• आपकी स्ट्रेटजी या क्लियर कट विजन क्या है?

जवाब : मेरा एक सूत्रीय एजेंडा संस्थान को अपस्केल करना है। संस्था के सॉफ्टवेयर को दुरुस्त करना है न कि हार्डवेयर को। विवि को शिक्षा और शोध में आगे बढ़ाकर अन्य के लिए रोल मॉडल बनाने का मकसद है।

• आपको नहीं लगता कि यहां का सॉफ्टवेयर बहुत करप्ट हो गया है।

जवाब : ऐसा नहीं है, ऐसा होता तो हमारा एच इंडेक्स इतना हाई न होता।

• मेस व छात्रावास के खातों में करोड़ों रुपये हैं। फिर भी छात्रावास में टोटी तक नहीं है?

जवाब : ज्वाइनिंग के तीसरे दिन ही तमाम अव्यवस्थाओं का दूर कर दिया गया है। बच्चों की कॉशन मनी वापस कर दी गई। हॉस्टल स्टाफ और मेस का भी नौ महीने से रुका भुगतान कर दिया गया।

• शिक्षकों को साथ लेकर चलना है, कैसे करेंगे?

जवाब : विवि में पांच सौ शिक्षक हैं तो मुझे 499 का नहीं, पूरे 500 शिक्षकों का सहयोग चाहिए। यही बात दो हजार नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए भी है।

• शिक्षक पढ़ाने में दिलचस्पी कम दिखाते हैं, क्या करेंगे?

जवाब : यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं उनसे कैसे काम लूं। यह दौर ह्यूमन पोटेंशियल मैनेजमेंट का है। उसी का इंप्लीमेंट करना है।

• आप मैनेजमेंट क्षेत्र से हैं, चर्चा है आप चीजों को बहुत अच्छे से मैनेज करते हैं?

जवाब : कुलपति हो या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सभी को दायित्वों का निर्वहन करना होगा। इसे ही मैनेज करना कह सकते हैं।

• फर्जी चेक, फर्जी मार्कशीट और फिर पेपर लीक प्रकरण में आप क्या कर रहे हैं?

जवाब : फर्जी चेक के मामलों को रोकने के लिए मैंने सभी वित्तीय लेनदेन को इलेक्ट्रानिक मोड करने को कहा है। फर्जी मार्कशीट की संभावना खत्म करने के लिए भी होम वर्क किया जा रहा है। पेपर लीक कांड पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

• एलएलबी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा दोबारा कराया जाना किस हद तक उचित है।

जवाब : यह परीक्षा समिति का निर्णय है।